

पं० त्रिपुरारी मिश्र सोशल वर्क एंड एजुकेशनल ट्रस्ट

खरेला, पो०— सरायपल्टू, तहसील—लालगंज, आजमगढ़ (उ०प्र०)

प्रबन्धक / अध्यक्ष

पत्रांक. प्र०/२०१५ सं० ०२/२०१५

दृष्टव्य का प्रदर्शन:

दिनांक २२/१२/१५

आज दिनांक २२/१२/२०१५ को पं० त्रिपुरारी मिश्र सोशल वर्क एंड एजुकेशनल ट्रस्ट की एक आवश्यक बैठक ओमोजिन की गयी। जिसकी सूचना सभी दृष्टव्य (सदस्यों) को एक सभाइ पूर्व देई गयी थी। केरम — इस बैठक कार्यवाही में सभी सदस्यगण उपस्थित रहे। बैठक की अद्यतना अध्यक्ष महान् श्री महानन्द मिश्र जे की।

कार्यवाही — सर्वप्रथम इक्षा वर्तना की गयी। तत्पश्चात् अध्यक्ष जे ने अनुमति से बैठक की कार्यवाही भारती भी गयी।

संज्ञेय — पुराने संज्ञेय को पहले दुनामा जमा और नये संज्ञेय पर कार्यवाही प्रारम्भ की गयी कि छात्र छात्रा एवं दैसिमोपाधिक संघान छी स्थापना एवं संचालन किया जाए।

कार्यवाही — बैठक की कार्यवाही भारती घोरे पर रजेन्ड्र (प्र०/२०१५-२१) पर जारी ग्राहन हुई तो दृष्टव्य के प्रबन्धक संघोष कुमार गिरि के द्वारा — एवं दैसिमोपाधिक संघान की स्थापना की चिन्हां जारी। जिससे दैसिमोपाधिक विधान के लाप-लाप होमोपॉथिक मिक्रिला पद्धति की बदला निलंग और धोल के गांधी व अस्थाय लोग लाभन्वित होगे। इसी कान में मद भी बनाया जिसका उपयोग है एवं इस अग्नि पर निर्भित गवन ने उपर्योग रुग्णहारी आदमी होमोपाधिक कारोबर बाल्पुर-खड़ी, आगंगाख नामक संघान के संघान हुए किया जाएगा। जिसमें डिलोगा इन होमोपाधिक लारेली (D.H.P.) नामक फाउण्टेन की पहारी संसालित होगी।

इस प्रताप पर दृष्टव्यक्षम/दृष्टव्य दिव्य कुमार गिरि ने दृष्टव्य किया और कहा कि इस गांधी से निःस्वेद धोल की स्वास्थ्य सुवर्णी समाजों का दृष्टव्य होगा। इस पर सभी उपस्थित सदस्यों ने अपनी विचारों के अनुसु जाग उदाहृत के इस प्रताप को पारा कर दिया कि छात्र ते नाम ग्राम नाम्पुर के स्थित ग्रामी व गवन ने उपर्योग रुग्णहारी आदमी होमोपाधिक लारेली के स्थापना एवं संचालन हुए किया जाए। जिसमें छात्र ते किली भी स्थान के ग्राम अपार्व नहीं होगी।

प्रत्यक्ष पात्र हो जाने पर अध्यक्ष जे की अनुमति से बैठक की कार्यवाही सम्पन्न की गयी।

दृष्टव्य (सं०/२०१५-२१)

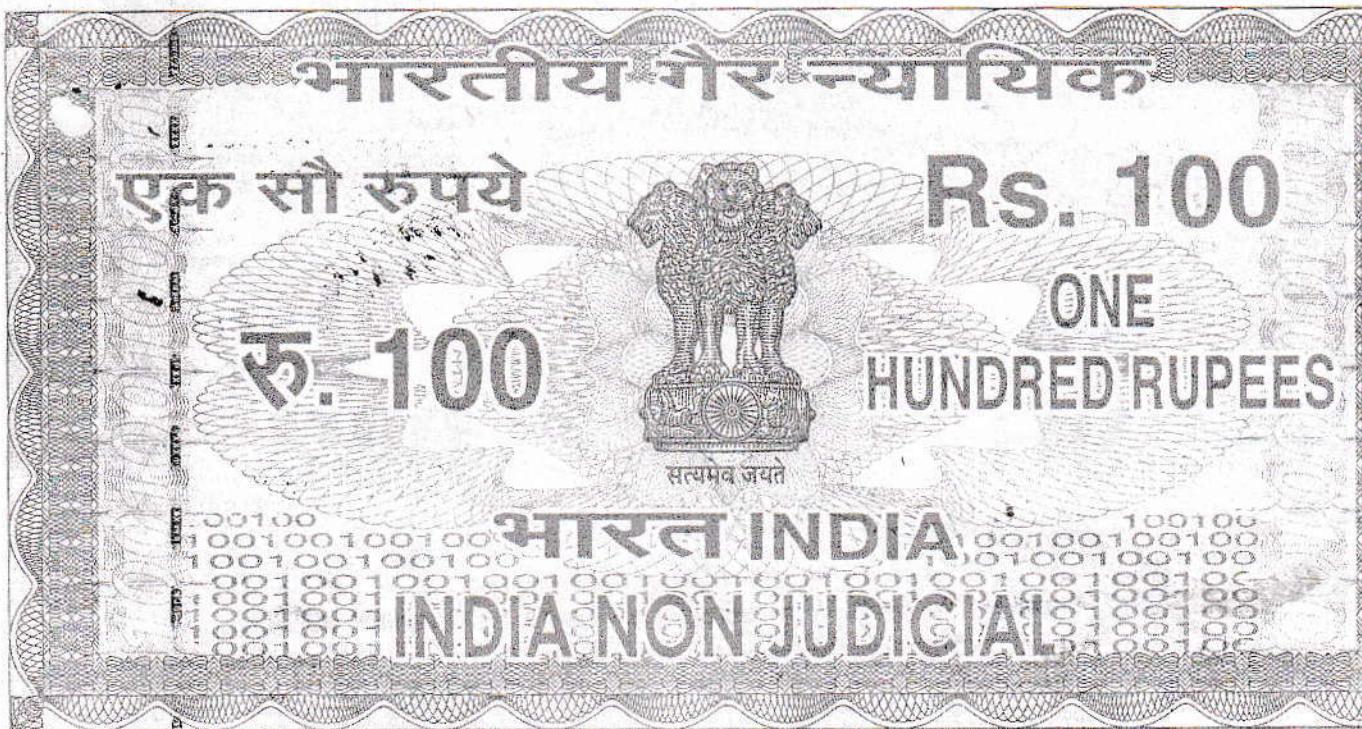
१. महानन्द गिरि (अध्यक्ष) — महानन्द गिरि
२. रवि उमुर्मिया (संस्कृत) — रविउम्र्मिया
३. राजपति गिरि (संस्कृत) — राजपति गिरि
४. डेवो गुम्भिरा (क्षेत्राध्यक्ष) — डेवो गुम्भिरा

दृष्टव्य प्रबन्धक —

५. रामेश्वरम गिरि (प्रबन्धक) — रामेश्वरम गिरि

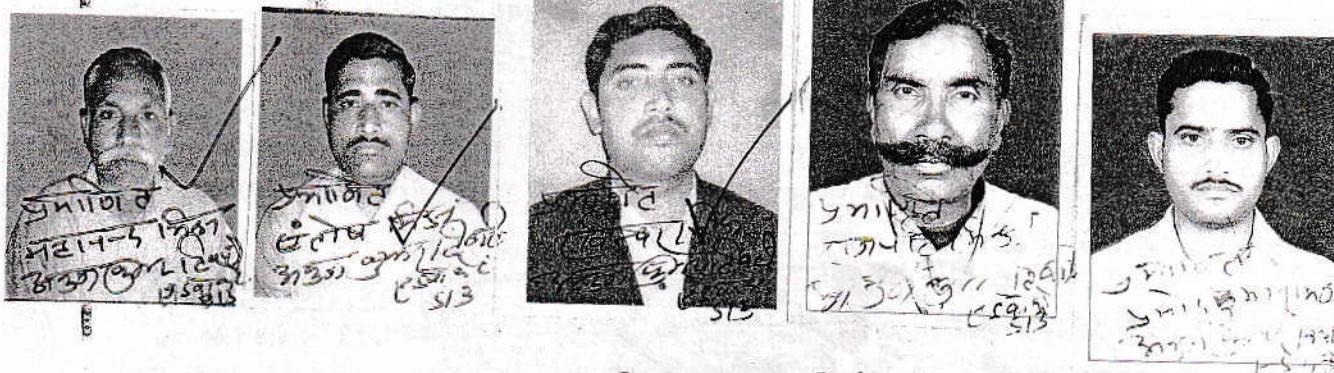
६. त्रिपुरारी मिश्र सोशल वर्क एंड एजुकेशनल ट्रस्ट खरेला, आजमगढ़

IV 08/08



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

U 484622



ट्रस्ट डीड (न्यास विलेख)

इस ट्रस्ट डीड (न्यास विलेख) को दिनांक ५-०३-०८ मार्च सन् दो हजार आठ को बनाया गया है। जो कि श्री सन्तोष कुमार मिश्र के बीच अनुबंधित है, जिन्हे डीड के प्रथम भाग का सेटलर (संस्थापक/निर्माता) कहा गया है।

अथवा

1. महानन्द मिश्र पुत्र स्व० रामबली मिश्र निवासी ग्राम-खरैला, पोस्ट-सरायपल्टू, तहसील-लालगंज, जिला-आजमगढ़।
 2. संतोष कुमार मिश्र पुत्र श्री त्रिपुरारी मिश्र निवासी ग्राम-उपरोक्त।
 3. रविन्द्र कुमार मिश्र पुत्र श्री गणेश मिश्र निवासी ग्राम-उपरोक्त।
 4. राजपति मिश्र पुत्र स्व० रामपारे मिश्र निवासी ग्राम-उपरोक्त।
 5. प्रमोद कुमार मिश्र पुत्र श्री त्रिपुरानी मिश्र निवासी ग्राम-उपरोक्त।
- (जिन्हें डीड (विलेख) के दूसरे भाग का न्यासी (ट्रस्टीज) या फाउन्डर ट्रस्टीज (संस्थापक न्यासी) कहा गया है।)

महानन्द मिश्र

संतोष कुमार मिश्र

राजपति मिश्र

प्रमोद मिश्र

۸۳

900)

ମୁଖ୍ୟ ପରିଷଦୀ କାନ୍ତିକାଳୀ ପରିଷଦୀ ଶିଖି
ମୁଖ୍ୟ ପରିଷଦୀ କାନ୍ତିକାଳୀ ପରିଷଦୀ ଶିଖି
ମୁଖ୍ୟ ପରିଷଦୀ କାନ୍ତିକାଳୀ ପରିଷଦୀ ଶିଖି

સાધુબાપ પરમિલ

ਅੰਕੋਡਾਰ ਲਗੰਜ

15 FEB 2008

卷之三

અનુભૂતિકાળ

नवाय विलाप 551-
 शुक्रवार 100 ५० १४० १२००
 शुक्रवार ३० निःशुल्क ३० निःशुल्क ३० निःशुल्क
 श्री महाराजा २३।१३।०८ १५ वर्षीय
 श्री २७।०८ रुपराजनवली विवाह
 हे लघुपति का विवाह ५० वर्षों का विवाह आजमगढ़ ने
 आज विनांक ०५।३।०८ समय
 दिन के मध्य लुटाकिए ४।५ वर्षे

માણસ-ધ્રુવ

11

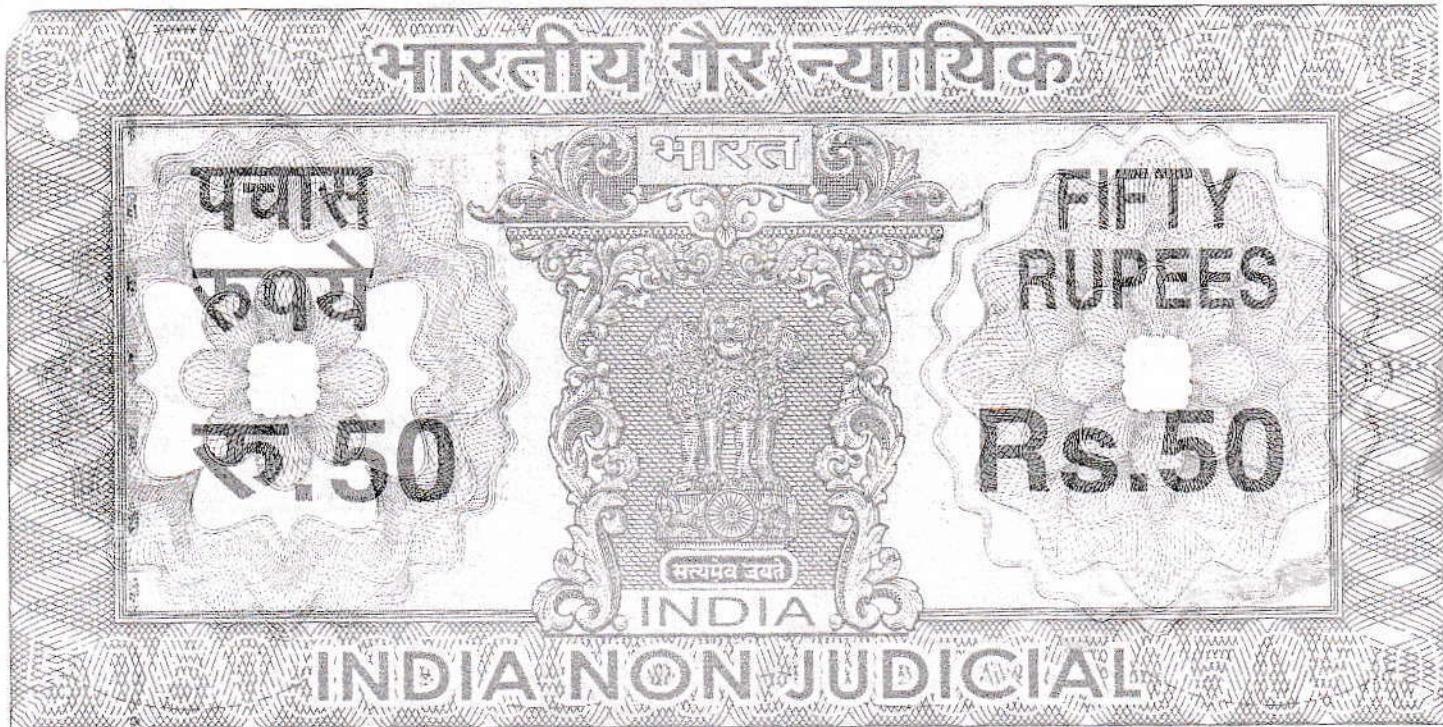
B.B.S
उपनिषद्वक ०५३।०८
मालवी - अखिल कुमार

२१ अप्रैल १९८५ दिनांक
विषय का निष्पादन व मु
द्र अन्तों परिणाम ३५ लिप्रारे
अनु व २१५६ अ०१३ ३७ नवद
गन्धी अ००२२३६ हार किया व द्वितीय पक्ष
२१६२ अ००२२२२ अ००२२२२
३५ लिप्रारे ६
म००१७
२१५७
११५९
११६१

ମେଲାନ-୧୩୫୯



A circular fingerprint impression, showing various ridges and patterns, centered on the page.



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

C 290237

शपथ

यह कि इस ट्रस्ट (न्यास) की स्थापना का मुख्य उद्देश्य भारत सरकार या उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा संचालित शिक्षा की व्यवस्था करना, शिक्षा द्वारा राष्ट्रीय जन जागृति का कार्य करना तथा शिक्षा के विकास हेतु विशेष कार्यों में प्रोत्साहन करना है।

यह कि इस ट्रस्ट (न्यास) की स्थापना हेतु ट्रस्ट के संस्थापक संतोष कुमार मिश्र द्वारा 551 रु० (पाँच सौ इक्यावन) रूपये का योगदान किया गया है।

यह कि ट्रस्ट के डीड (विलेख) में उल्लेखित उद्देश्यों की पूर्ति हेतु ट्रस्टीज द्वारा दान, अनुदान, चंदा आदि का प्रबन्धन किया जायेगा, जिसे ट्रस्ट का कोष या सम्पत्ति समझा जायेगा।

यह कि इस ट्रस्ट को पं० त्रिपुरारी मिश्र सोशल वर्क एण्ड एजुकेशनल ट्रस्ट के नाम से जाना जायेगा, जिसकी रजिस्टर्ड कार्यालय ग्राम-खरैला, पौ०-सरायपलटूँ जिला-आजमगढ़ में स्थापित हुई है। ट्रस्टीज को यह अधिकार है कि भविष्य में आवश्यकतानुसार ट्रस्ट के नाम व कार्यालय के स्थान परिवर्तन का निर्णय कर सकते है। यदि वे ऐसा अपने सुविधानुसार चाहे तों।

1. नाम व पता – यह ट्रस्ट (न्यास) पं० त्रिपुरारी मिश्र सोशल वर्क एण्ड एजुकेशनल ट्रस्ट के नाम से जाना जायेगा। जिसकी वर्तमान कार्यालय ग्राम-खरैला, पौ०-सरायपलटूँ जिला-आजमगढ़ में स्थापित होगी।

2. कार्य क्षेत्र – ट्रस्ट (न्यास) का कार्य क्षेत्र सम्पूर्ण उत्तर प्रदेश में होगा।

3. ट्रस्ट (न्यास) के उद्देश्य निम्नलिखित है –

1. विकलांगों को निःशुल्क कृत्रिमअंग, भोजन, आवास, शिक्षा, वस्त्रादि प्रदान करना तथा उनके लिए कृत्रिम अंगों का क्रय व वितरण करना।

महानन्दमिश्र

राजपाल मिश्र

सुशीलकुमार

प्रमाद मिश्र

रविन्द्रलाल

काली देवी कुमारी ४५८/० लिपुरायी भैरवला/१८०३/२०१६

प्राप्ति ४/३/०८

अनुसन्धान

प्राप्ति

वही नं० ४५ चिह्न सं० - ४५ के पृष्ठ $\frac{179}{212}$ में अमर - ८४
पर आम चिह्न ४५ = ४३ - ८४ ४० को रजिस्ट्री दी गयी।

उ० ति०

आलंगर - बाबुगढ़

